

## आतथिय क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सरकार का नविश चर्चा में क्यों?

अधिकारियों के मुताबकि, उत्तर प्रदेश सरकार आतथिय और [पर्यटन क्षेत्र](#) में **32,000 करोड़ रुपए** का नविश कर सकती है।

- वर्ष 2028 तक राज्य की **वार्षिक पर्यटक संख्या 850 मिलियन तक** पहुँचने का अनुमान है।

### मुख्य बद्दि:

- कमरे की उपलब्धता में कमी को पूरा करने के लिये नविश से होटल और रजिॉर्ट्स के माध्यम से **अतिरिक्त 80,000 आवास इकाइयाँ तैयार होने की संभावना** है।
- राज्य **वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज और आगरा** जैसे पर्यटन हॉटस्पॉट में **आतथिय इकाइयों** को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- कलियों और महलों सहित वरिासत संपत्तियों को वकिस के लिये नज्ी क्षेत्र को पेश कया जा रहा है।
- **पर्यटन नीति-2022** के तहत राज्य द्वारा वशिषिट **ग्रामीण इलाकों में फार्म स्टे** स्थापति करने के लिये सब्सडी भी प्रदान कया जा रहा है।
  - गृहस्वामियों को होमस्टे के लिये अपनी संपत्तियों को सूचीबद्ध करने हेतु प्रोत्साहति कया जाता है, जबकि वरिासत संपत्तियों के मालकों को समझदार पर्यटकों के लिये अपने परसिर को वरिासत होटल के रूप में परिवर्तित करने को आमंत्रित कया जा रहा है।
- राज्य का लक्ष्य वेलनेस सेंटर जैसे **मल्टी-एक्सपीरियंस सर्कटि** वकिसति करना और सारनाथ व कौशांबी जैसे बौद्ध स्थलों की कनेक्टविटी में सुधार करना है।
- यह साहसकि **पर्यटन, बैटर्के, प्रोत्साहन, सम्मेलन एवं परदर्शनियाँ, MICE** (Meetings, Incentives, Conferences, and Exhibitions), कल्याण और इको-टूरज्म वकिसति करके पर्यटन अनुभवों में वविधिता लाने तथा समकालीन पर्यटन उत्पाद बनाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।